

दस्ता  
47  
2020

# फर्द अहकाम

बनाम

खेमरलाल जाम मंगलचन्द

२

आज्ञा या  
पवाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

विशेष विवरण

को प्राप्ति पत्र पर हुआ /  
 एकीकृत वाकीगणों प्राप्ति पत्र  
 को अंतिम किया है कि वाद  
 में परिवार के निकट कोई रिश्ती  
 नहीं पाई है पिपाराकी न वाद को  
 रवाकी न करनी है विविदा विप्रा  
 वरिष्ठान की कर के बाद में आगे  
 कोई रिश्ती न ही पाई पर वाद को  
 आगे न ही चलाने पर रवाकी न  
 किया गया है पत्रावली को न  
 अन्तिम अन्तिम देवा न ही न  
 के बाद है बाद रवाकी न ही न  
 पत्र है ↓

उप-खण्ड अधिकारी  
जयपुर (दिलीप)

